कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

1. 'दलित साहित्य चेतना का साहित्य है।' विवेचना कीजिए। 10

2. जाति-प्रथा के उन्मूलन के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों को रेखांकित कीजिए। 10

3. निराला के दलित पात्र प्रेमचंद के दलित पात्रों से किस तरह भिन्न हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

4. स्वामी अछूतानन्द के रचनात्मक अवदान पर प्रकाश डालिए। 10

5. " 'गुलामगीरी' पुस्तक के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले ने वर्ण वर्चस्ववाद की कठोर आलोचना की है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

6. डॉ. अम्बडेकर के स्त्री मुक्ति चिंतन और स्त्री अधिकारों के लिए संवैधानिक प्रयासों पर प्रकाश डालिए। 10

7. श्री नारायण गुरु की स्त्री मुक्ति संबंधो चेतना को स्पष्ट कीजिए। 10

8. 'दलित आलोचना के सरोकारों में श्रम के सौन्दर्यशास्त्र को प्रतिष्ठा है।' विवेचना कीजिए। 10

9. दलित साहित्य में मिथकों का प्रयोग किस रूप में हुआ है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

(ख) दलित साहित्य की अवधारणा

(ग) नागार्जुन की रचनात्मक प्रतिबद्धता

(घ) 'हिन्दू कोड बिल' और डॉ. अम्बेडकर